भागीरथपुरा में सभी बोरिंगों और होज का क्लोरिनेशन होगा

- कोलकाता, दिल्ली और भोपाल के विशेषज्ञ डॉक्टर्स के साथ कलेक्टर ने की चर्चा
- शहर में जीबीएस (गुइलेन-बैरे सिंड्रोम) का कोई मरीज नहीं : कलेक्टर

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा क्षेत्र में कोलकाता, दिल्ली और भोपाल से विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम के साथ कलेक्टर ने मंथन किया. इसके बाद कलेक्टर ने क्षेत्र में स्थित सभी बोरिंगों और घरों में बनी पानी टंकी को क्लीन कर क्लोरिनेशन लगने का निर्णय लिया. क्लोरिनेशन के बाद ही क्षेत्र के लोगों को बोरिंगों के पानी का इस्तेमाल करने के हिदायत दी है.

भागीरथपुरा क्षेत्र में संक्रमण पानी की घटना को लेकर स्मार्ट सिटी कार्यालय में कलेक्टर शिवम वर्मा ने बैठक ली. बैठक में कलेक्टर ने भागीरथपुरा में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली. उन्होंने कहा कि शहर में जीबीएस (गुइलेन-बैरे सिंड्रोम) बीमारी का कोई भी मरीज नहीं मिला है. भागीरथपुरा में कोलकत्ता,दिल्ली और भोपाल से आए डॉक्टरों के साथ नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और संबंधित विभागों द्वारा मिलकर पानी की जाँच कर रही है. जहां दूषित पानी पाया मिलेगा, उसे चिन्हित कर उचित प्रबंध करने के आदेश दिए है. साथ ही क्षेत्रीय नागरिकों को भी जागरुक किया जा रहा है कि वे अपने बोरिंग और होज का क्लोरिनेशन कराने में सहयोग दें. इसके लिए भागीरथपुरा को 30 से अधिक बीटों में बांटा किया गया. हर बीट में कर्मचारियों और नागरिकों के साथ मिलकर क्लोरिनेशन का कार्य किया जाएगा.

यह हुए शामिल

बैठक में अपर कलेक्टर नवजीवन पंवार, कोलकत्ता के वैज्ञानिक डॉ. प्रमित घोष, वैज्ञानिक डॉ.गौतम चौधरी और दिल्ली के एनसीडीसी के डॉ.अनुभव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.माधव हसानी, डॉ.अश्विन भागवत, डॉ.अभिजीत प्रकार, डॉ.सविता अखण्ड, डॉ. सैलविया, शैलेंद्रकुमार, डॉ.अंशुल मिश्रा,डॉ.रूपामी जोशी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे.

दूषित पानी की जांच करेगा कोलकाता से आया दल

लेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि कोलकत्ता से आये वैज्ञानिक डॉ.प्रमित घोष और वैज्ञानिक डॉ. गौतम चौधरी दूषित जल के सेम्पल लेकर उसकी वैज्ञानिक तरीके से जांच करेंगे. इसके लिए उक्त टीम भागीरथपुरा में पानी के रेण्डम सेम्पल एकत्रित करेगी. इस कार्य में उक्त टीम नगर निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेगी. इसका मकसद नागरिकों को शुद्ध जल उपलब्ध कराना है. साथ ही घटना के हर पहलुओं की निगरानी कर कारण तलाशने में मदद करेगी. कलेक्टर वर्मा ने कहा कि दूषित पेयजल से विभिन्न अस्पतालों में प्रभावितों का बेहतर उपचार किया जा रहा है. उन्हें आवश्यक दवाइयाँ,इंजेक्शन आदि प्रदान किए जा रहे हैं. कलेक्टर ने कहा कि शहर के जिन क्षेत्रों में दूषित पानी की शिकायतें मिल रही हैं, वहाँ पानी के रेण्डम सैम्पल लिए जा रहे हैं. स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग आदि विभाग के कर्मचारी द्वारा घर-घर जाकर सर्वे करने का कार्य भी जारी है.

कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त सहित अमला सुबह पहुंचा प्रभावित क्षेत्र में

- प्रभावितों के उपचार पर तीन स्तरों पर की जा रही है निगरानी
- उपचार के साथ ही क्षेत्र में शुद्ध जल प्रदाय करने पर फोकस

इंदौर. कलेक्टर शिवम वर्मा, नवागत नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने रविवार सुबह से ही नगर निगम अमले के साथ भागीरथपुरा क्षेत्र में पहुँचे. वहाँ उन्होंने भागीरथपुरा क्षेत्र में जलजनित घटना के नियंत्रण के लिये किये जा रहे उपायों के बारे में संबंधित विभागों के अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की. साथ ही क्षेत्रीय नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की समझाईश भी दी. उन्होंने क्षेत्रीय नागरिकों से चर्चा की और उन्हें आश्वस्त किया कि घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है. नागरिकों को शुद्ध जल उपलब्ध हो इसके लिये प्रशासन विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर लगातार कार्य कर रहा है.

कलेक्टर ने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र के नागरिकों को शुद्ध जल मिले, साथ ही बोरिंगों में भी शुद्ध पानी प्राप्त हो, इसके लिये माइक्रो लेवल पर कार्य किया जा रहा है. साथ ही उसकी निगरानी भी की जा रही है. इस कार्य में नगर निगम,स्वास्थ्य विभाग,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जा रहा है. कलेक्टर ने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित जल से प्रभावित हुये नागरिकों के उपचार के लिए प्रशासन तीन स्तर पर कार्य कर रहा है नि:शुल्क उपचार की व्यवस्था की गयी है. प्रशासन के सतत प्रयासों के चलते अब प्रभावितों की संख्या में निरंतर कमी आ रही है. लेकिन फिर भी प्रशासन पूरी सतर्क है।

शुद्ध जल की उपलब्धता कर रहे सुनिश्चित

कलेक्टर ने कहा कि नगर निगम का अमला लगातार क्षेत्र में सर्वे के साथ ही भागीरथपुरा क्षेत्र में रिंग सर्वे में जुटा है. लीकेज भी ढूंढे जा रहे है. कुछ लीकेज ठीक भी किये जा चुके है. साथ ही शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है. पानी को क्लोरीनेशन किया जा रहा है, घर घर शुद्ध जल की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है. पेयजल के लिए क्लोरिनेटेड वॉटर सप्लाई किया जा रहा है. जबकि अन्य उपयोग के लिए जिन बोरवेल के सेंपल लिए गए और उपयोग हेतु ठीक पाये गए,उसका उपयोग अन्य कामों में किया जा सकता है.

दूषित पानी कांड से सबक लेकर आगे बढ़ना है...

नव भारत प्रतिनिधि

इंदौर. दूषित जल से इंदौर में मौत के तांडव के बाद यह शहर अपने आप में पहली तरह के संकट के दौर से गुजर रहा है. इंदौर ने कई संकट देखे हैं. यहां जहरीला शराब कांड भी हुआ है. सांप्रदायिक दंगों का सामना भी शहर ने किया है.यहां बावड़ी कांड भी हुआ है जिसने हम सबको हिला कर रख दिया था. यहां शराबी ट्रक चालक ने बेकसूर लोगों की जान भी ली है. और भी ऐसे कई अवसर आए हैं जब हमें चुनौतियों का सामना करना पड़ा है. हाल ही में हुआ दूषित पेयजल कांड इंदौर के लिए एक सबक है. यह टीस लंबे समय तक इस शहर को सताती रहेगी .इस घटना से हमें सीख लेकर अब आगे बढ़ाना है.

देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर जनभागीदारी की ताकत से हर छोटे-बड़े संकट को पार करता आया है. इंदौर ने जब-जब किसी भी प्रकार का संकट देखा है, तब-तब शहर की छवि को सामने रखकर, एकजुट होकर उस संकट से बाहर निकलने का रास्ता भी चुना है. भागीरथपुरा में गंदा पानी पीने से लोगों की मृत्यु होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और हृदय विदारक है. इस घटना से न केवल कई परिवारों का संसार उजड़ गया, बल्कि शहर की वर्षों में बनी छवि को भी गहरा आघात पहुँचा है. अब इस छवि को सुधारना और यह सुनिश्चित करना कि हर नागरिक को स्वच्छ और सुरक्षित पानी मिले- इसी दिशा में सामूहिक प्रयास ही आगे की सही राह है.

यह भी सत्य है कि केवल इंदौर ही नहीं, बल्कि देश के हर शहर में गंदे पानी से जुड़ी शिकायतें पोर्टलों पर दर्ज होती रहती हैं. इन शिकायतों का समय पर निराकरण करना नगर निगम के अधिकारियों और पार्षदों की जिम्मेदारी है. यदि जिम्मेदारी में चूक न होती, तो शायद इतना बड़ा हादसा नहीं होता. भागीरथपुरा कांड समूचे देश में तंत्र की एक बड़ी विफलता का उदाहरण है जिसमें जनप्रतिनिधि और नौकरशाही दोनों जिम्मेदार हैं.

पर अब, जब जनप्रतिनिधियों ने अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार किया है और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है, तो आवश्यकता इस बात की है कि आगे के कार्यों और भविष्य के इंदौर की सुध लेते हुए, सभी मिलकर यह सुनिश्चित करें कि लोगों को उनकी मूलभूत सुविधाएँ समय पर और सुरक्षित रूप से मिलें, और स्वच्छ इंदौर का यह सफर यूँ ही निरंतर आगे बढ़ता रहे....

भागीरथपुरा हादसे को लेकर कांग्रेस की न्याय यात्रा 11 को

- हर वार्ड में मृतकों को श्रद्धांजलि और मंत्री के इस्तीफे की मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में भागीरथपुरा क्षेत्र के 16 लोगों की गंदे पानी से मौत होने पर कांग्रेस 11 जनवरी को न्याय यात्रा निकालेगी. शहर के सभी वार्डो में मृतकों को श्रद्धांजलि और नगरीय प्रशासन मंत्री के इस्तीफे की मांग की जाएगी. उक्त निर्णय आज कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन में प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी में लिया गया.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि 11 जनवरी को न्याय यात्रा बड़ा गणपति चौराहा से शुरू होकर राजवाड़ा पर अहिल्या प्रतिमा पर समाप्त होगी. कांग्रेस उक्त यात्रा के द्वारा सभी मृत व्यक्तियों के परिवार के लिए न्याय मांगा जाएगा. भागीरथपुरा में गंदा पानी सप्लाई करने के बाद मौत कोई साधारण मौत या लापरवाही न होकर एक सुनियोजित हत्या है. ऐसे में यह आवश्यक है कि घटना के दोषियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए. घटना की जिम्मेदारी लेते हुए प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक कैलाश विजयवर्गीय को तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए. हम उनके इस्तीफा की मांग करते हैं. गांधी भवन बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की इंदौर प्रभारी उषा नायडू, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया, शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे, जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े व अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे.

हर वार्ड में श्रद्धांजलि देंगे : पटवारी

पटवारी ने कहा कि हम हर वार्ड में मृतकों को श्रद्धांजलि देंगे और लोगों को बताएंगे कि किस तरह से डबल इंजन और ट्रिपल इंजन की सरकार लोगों पर अत्याचार कर रही है. पीने का पानी भी जब जहरीला हो जाएगा तो फिर क्या बचेगा? व्यक्ति को जीवित रहने के लिए भोजन, हवा और पानी के रूप में तीन आवश्यकताएं होती है. उसमें से एक पानी को भाजपा की नगर निगम परिषद में जहरीला बना दिया और सरकार मूक दर्शक बनी हुई है.

कार्यकर्ताओं से कैलाश बोले... कांग्रेस को मुद्दा नहीं बनाने देना

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा कांड होने के बाद विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को दिल्ली तलब किया गया था. दिल्ली में क्या बातचीत हुई, यह अलग बात है, लेकिन दिल्ली से आते ही विजयवर्गीय ने विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कहा कि कांग्रेस को मुद्दा नहीं बनाने देना है. भागीरथपुरा में पानी से लेकर हर तरह की मदद पहुंचाई जाए.

प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री और विधानसभा एक से विधायक कैलाश विजयवर्गीय को शहर में भागीरथपुरा कांड के बाद दिल्ली बुलाया गया था. दिल्ली से लौटते ही कैलाश विजयवर्गीय ने आनन फानन में बैठक बुलाई. बैठक परदेशीपुरा स्थित कनकेश्वरी देवी मंदिर में रखी गई थी, जिसमें

विधानसभा एक के मंडल अध्यक्ष से लेकर वार्ड अध्यक्ष तक बीजेपी कार्यकर्ताओं शामिल हुए. बैठक में विधायक रमेश मेंदोला और कैलाश विजयवर्गीय समर्थक को भी विशेष तौर पर बुलाया गया था. बैठक में विजयवर्गीय ने भागीरथपुरा मामले को लेकर कार्यकर्ताओं से कहा कि किसी स्थिति में कांग्रेस को मुद्दा नहीं बनाने देना है. भागीरथपुरा में पीड़ितों को उपचार के हरसंभव मदद के लिए क्षेत्र में सक्रिय रहे.

रहवासियों को पीने का पानी उपलब्ध करवाएं, किसी को राशन की जरूरत है तो भिजवाएं. भागीरथपुरा के रहवासियों को राहत सामग्री में कोई कमी नहीं आने देना है, जैसी बाते कही गई है. इसके बाद देर रात विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक रमेश मेंदोला ने कहीं और जाकर मौजूदा समस्या पर काबू पाने के विषय में भी अलग से चर्चा की.

भागीरथपुरा में आयुष विभाग करेगा आयुर्वेद दवाइयों का वितरण

इंदौर. शहर के भागीरथपुरा में संक्रमण के कारण प्रभावित लोगों के लिए आयुष विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयुर्वेदिक औषधि वितरण करने की योजना तैयार की है. सोमवार सुबह 9 बजे से जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय तथा आयुष विभाग के चिकित्सकों के द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन एवं औषधी का वितरण एवं परामर्श किया जाएगा। इसके लिए आयुर्वेद चिकित्सकों की टीम स्थानीय संजीवनी क्लिनिक के डॉक्टरों के साथ मिलकर औषधि वितरण के साथ-साथ सभी मरीजों का रिकॉर्ड भी रखेगी और मरीज का फॉलो अप भी करेगी.

नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल व्यवस्था के निर्देश

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों की ली बैठक

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा आज इंदौर जिले के समस्त नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों, समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, नगरीय निकायों के इंजीनियरों तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्रियों की समीक्षा बैठक ली गई.

बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्रीजी के निर्देशों के क्रम में जिले के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समुचित, सुरक्षित एवं निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले के समस्त जल स्त्रोतों—जिनमें बोरवेल, हैंडपंप, कुएं, जल टंकियां एवं अन्य पेयजल स्त्रोत शामिल हैं,का नियमित क्लोरीनीकरण किया जाए. इसके साथ ही सभी जल स्त्रोतों से पेयजल के सैंपलिंग एवं टेस्टिंग की जाए. जल स्त्रोतों के आसपास नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा समस्त पेयजल पाइप लाइनों की मरम्मत एवं समुचित सफाई कराई जाए. कलेक्टर ने निर्देश दिए कि उपरोक्त सभी कार्य मिशन मोड में 07 दिवस के भीतर पूर्ण किए जाएं.

शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई करें

कलेक्टर श्री वर्मा ने यह भी निर्देशित किया कि पेयजल से संबंधित कोई भी शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने हेतु सतत निगरानी एवं आवश्यक कदम उठाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए.

समस्या ▶ दूसरे क्षेत्रों में भी कभी भी बन सकती है भागीरथपुरा जैसी स्थिति

लंबे समय से पूरे शहर में बनी हुई है दूषित पानी की समस्या

इंदौर. पूरे शहर में दूषित पानी की समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है. भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण हुई घटना अत्यंत चिंताजनक और हृदयविदारक है.

ऐसी स्थिति किसी भी क्षेत्र में कभी भी फिर हो सकती है. शहर के कई क्षेत्रों में वर्षों से चली आ रही इस समस्या को लेकर नवभारत द्वारा लगातार आवाज उठाने के बावजूद, नगर निगम के अधिकारियों का उदासीन रवैया इस घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है.

तुरंत लाइन चेक करवाऊंगा

क्षेत्र में पानी सप्लाई और सीवरेज लाईन को चेक किया जा रहा है. पिछले पांच दिनों से यही कार्य हो रहा है. आप जहां बता रहे हैं, वहां भी तुरंत लाईन चेक करवाता हूं.

- पुष्पेंद्र पाटीदार, पार्षद

रोबोट चौराहा से एक किलोमीटर पूर्व की ओर घनी बस्तियों में जन समस्याओं को लेकर जब नवभारत वार्ड क्रमांक 40 में पहुंचा तो यहां भी दूषित पानी की समस्या देखने को मिली. वार्ड की श्रीमाया कॉलानी, जहां मध्य वर्ग के लोग निवासरत हैं, यहां दोनों ओर कई गलियां हैं, जहां सुबह-सुबह क्षेत्रवासी पानी भरते नजर आए. वार्डवासियों से जब पानी को लेकर बात की गई तो पता चला कि क्षेत्र में नर्मदा लाईन तो डाली गई है, लेकिन उसमें दूषित पानी आता है. कुछ देर बाद साफ पानी मिल पाता है, लेकिन उसमें दुर्गंध बनी रहती है. ऐसे पानी में अगर दवा नहीं डाली जाए तो उसमें कीड़े पडने लगते हैं. वहीं, क्षेत्र में सरकारी बोरिंग भी लगा हुआ है, लेकिन उसका पानी खारा होने से लोग उसे पीने के लिए इस्तेमाल नहीं करते. कई बार तो पानी के दोनों ही साधनों में समस्या होने पर लोगों को दूर-दूर से और दूसरे क्षेत्र से पानी लाना पड़ता है. जबसे भागीरथपुरा की घटना हुई है, वार्ड 40 के रहवासियों में भी डर बना हुआ है.

यह बोले रहवासी...

नर्मदा का पानी केवल 15 मिनट आता है, उसमें भी शुरूआत में बहुत ही गंदा पानी आता है, मात्र 8-10 मिनट ही पानी मिलता है, वह भी बदबूदार. इस तरह के दूषित पानी से इस क्षेत्र में भी भागीरथपुरा जैसी बीमारी फैल सकती है.

- मैना बाई चावले

नल आते हैं, लेकिन इतना गंदा पानी आता है कि उसे तो फैंकना ही पड़ता है. कई बार तो पूरे समय गंदा पानी आता है. वह पानी इतना बदबू वाला होता है कि उसे कैसे इस्तेमाल करें.

- किशन लाल

क्षेत्र में बोरिंग का पानी खारा है, जिसे पीने में इस्तेमाल नहीं कर सकते, उसको भी ज्यादा समय रखो तो उसमें भी कीड़े पड़ जाते हैं. इसलिए कई बार पानी की टंकी से पानी लाते हैं.

- अनिल राणा

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिझम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम-नवरत्न)
सीआईएन नंबर - L74899DLI999GOI101707

IRCTC

आईआरसीटीसी - वेस्ट झोन निम्नलिखित ओपन ई-टेंडर (दो पैकेट सिस्टम के माध्यम से) आमंत्रित करता है:-

इकाइयों	विवरण	साइट पर टेंडर दस्तावेज की उपलब्धता
रिफ्रेशमेंट रूम/जन आहार	वेस्ट झोन के तहत विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर रिफ्रेशमेंट रूम और जन आहार में कैटरिंग सेवाओं के प्रावधान के लिए ओपन ई-टेंडर सह नीलामी।	05/01/2026, 12:00 बजे से

टेंडर डॉक्यूमेंट डाउनलोड करने और हिस्सा लेने के लिए वेबसाइट **www.tenderwizard.com/ IRCTC** पर जा सकते हैं।

अगर ऊपर दिए गए विज्ञापन पर कोई सुधार/अतिरिक्त जानकारी जारी की जाती है, तो उसे सिर्फ वेबसाइट **www.irctc.com** और **www.tenderwizard.com/IRCT** पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

ऑफिस का पता:- जीजीएम,वेस्ट झोन ऑफिस, ग्राउंड फ्लोर, फोर्ब्स बिल्डिंग, चरणजीत राय मार्ग, फोर्ट, मुंबई **400001. फोन:** 022-47509565-8815

अपना खाना ऑनलाइन बुक करने के लिए, कृपया **www.ecatering.irctc.co.in** पर लॉग ऑन करें या "Food on Track" मोबाइल APP डाउनलोड करें।